**Załącznik Nr 3c do Uchwały Nr 681**

**z dnia 7 kwietnia 2020 roku**

**PLAN STUDIÓW**

**KIERUNKU: Teologia**

**W ZAKRESIE: Teologia**

**Obowiązuje od cyklu:** 2020 Z

**Poziom studiów:** studia jednolite magisterskie

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 10

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowa/e lub artystyczna/e:**dziedzina nauk teologicznych, dyscyplina naukowa nauki teologiczne, dziedzina nauk społecznych, dyscypliny: pedagogika, psychologia

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 1, semestr: 1** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Technologie informacyjno-komunikacyjne | I | 2 | 2 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wstęp do filozofii | I | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 2 | Logika | I | 3 | 0 | Zal-o | O | 45 | 15 | 30 | 3 |  |  | | 3 | Metafizyka | I | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 50 | 10 | 4 |  |  | | 4 | Historia filozofii – starożytność i średniowiecze | I | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 18 | 0 | X | X | 195 | 110 | 85 | 13 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 1 | I | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – starożytność | I | 2,5 | 0 | E | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 5,5 | 3 | X | X | 70 | 15 | 55 | 5 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 3 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | I | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | I | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 1** | | | **29,5** | **5** | **X** | **X** | **355** | **185** | **170** | **23** |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Rok studiów: 1, semestr: 2** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 1 | II | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | II | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | 60 | 30 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 2 | X | X | 60 | 30 | 30 | 2 |  |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia nauki | II | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Historia filozofii – nowożytność i współczesność | II | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  | | 3 | Teoria poznania | II | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 10,5 | 0 | X | X | 120 | 70 | 50 | 8 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 2 | II | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | 2 | Muzyka kościelna – zasady muzyki | II | 1 | 1 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – średniowiecze | II | 2 | 0 | Zal-o | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6 | 4 | X | X | 85 | 15 | 70 | 6 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | II | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | II | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | **V. – INNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Ergonomia | II | 0,25 | 0 | Zal. | O | 2 | 2 | 0 | 0 |  |  | | 2 | Ochrona własności intelektualnej | II | 0,25 | 0 | Zal. | O | 2 | 2 | 0 | 0 |  |  | | 3 | Etykieta | II | 0,5 | 0 | Zal. | O | 4 | 4 | 0 | 0 |  |  | | 4 | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | II | 0,5 | 0 | Zal. | O | 4 | 4 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1,5 | 0 | X | X | 12 | 12 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 2** | | | **26** | **6** | **X** | **X** | **337** | **187** | **150** | **20** |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku studiów** | | | **55,5** | **11** | **X** | **X** | **692** | **372** | **320** | **43** |  |  | | **Rok studiów:2, semestr: 3** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 2 | III | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | 2 | Wychowanie fizyczne 1 | III | 0 | 0 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 0 |  |  | | 3 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | III | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | 90 | 30 | 60 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 2 | X | X | 90 | 30 | 60 | 2 |  |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia przyrody i przyrodoznawstwa | III | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 2 | Filozofia Boga | III | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Filozofia człowieka | III | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 15 | 0 | X | X | 150 | 110 | 40 | 10 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 3 | III | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | 2 | Muzyka kościelna – chorał gregoriański | III | 1 | 1 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – nowożytność | III | 2,5 | 0 | E | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6,5 | 4 | X | X | 85 | 15 | 70 | 6 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | III | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | III | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 3** | | | **29,5** | **6** | **X** | **X** | **385** | **215** | **170** | **22** |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 2, semestr: 4** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 3 | IV | 2 | | 2 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | | 2 | | X | | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | | 2 | | X | | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | | 2 | | X | | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | **II. - PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia religii | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Etyka ogólna i stosowana | IV | 5,5 | | 0 | | E | | O | 75 | 30 | 45 | 5 |  |  | | 3 | Filozofia kultury, sztuki i techniki | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 4 | Filozofia społeczno-polityczna | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 11,5 | | 0 | | X | X | 165 | 90 | 75 | 11 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 4 | IV | 3 | | 3 | | Zal-o | | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – współczesność | IV | 2,5 | | 0 | | E | | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Muzyka kościelna – tony psalmowe | IV | 1 | | 1 | | Zal-o | | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 4 | Patrologia | IV | 2,5 | | 0 | | E | | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 5 | Wstęp do teologii | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 6 | Wstęp do Pisma świętego z elementami archeologii biblijnej | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 13 | | 4 | | X | X | 205 | 105 | 100 | 14 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 4 | | 4 | | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | IV | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 4 | | 0 | | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | 0 | | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 4** | | | | **30,5** | | **6** | | **X** | **X** | **460** | **255** | **205** | **30** |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | | | | **60** | | **12** | | **X** | **X** | **845** | **470** | **375** | **52** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 3, semestr: 5** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 4 | V | 2 | 2 | E | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Socjologia | V | 2 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 2 | Edukacja medialna | V | 2 | 2 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | 45 | 15 | 30 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pięcioksiąg i księgi historyczne Starego Testamentu | V | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 2 | Sztuka kościelna | V | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 3 | Ewangelie synoptyczne i Dzieje Apostolskie | V | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 4 | Liturgika fundamentalna | V | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 5 | Teologia dogmatyczna - o Bogu Jedynym i w Trójcy Osób | V | 3 | 0 | Zal-o | O | 40 | 30 | 10 | 3 |  |  | | 6 | Teologia fundamentalna | V | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 7 | Teologia moralna fundamentalna | V | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 8 | Katechetyka fundamentalna | V | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 9 | Prawo kanoniczne – normy ogólne | V | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 10 | Historia Kościoła w Polsce | V | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 31 | 0 | X | X | 380 | 310 | 70 | 27 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 5** | | | **37** | **4** | **X** | **X** | **455** | **325** | **130** | **31** |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Rok studiów: 3, semestr: 6** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi prorockie Starego Testamentu | VI | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 2 | Pisma Janowe | VI | 4,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 3 | Liturgika - rok liturgiczny i liturgia godzin | VI | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna - teologia stworzenia i antropologia teologiczna | VI | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 5 | Aretologia teologicznomoralna | VI | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 6 | Katechetyka materialna (dydaktyka nauczania religii) | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 7 | Prawo kanoniczne małżeńskie | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 8 | Religiologia i dialog międzyreligijny | VI | 3 | 0 | Zal-o | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 9 | Proseminarium | VI | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 24 | 0 | X | X | 300 | 200 | 100 | 20 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | VI | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | VI | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Praktyka charytatywno-ewangelizacyjna | VI | 4 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 4 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 8 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 8 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 8 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 8 | 80 |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 6** | | | **32** | **0** | **X** | **X** | **360** | **260** | **100** | **28** | **80** |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na III roku studiów** | | | **69** | **4** | **X** | **X** | **815** | **585** | **230** | **59** | **80** |  | | **Rok studiów: 4, semestr: 7** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wychowanie fizyczne 2 | VII | 0 | 0 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 0 |  |  | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | VII | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi mądrościowe Starego Testamentu | VII | 3,5 | 0 | E | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 2 | „Corpus Paulinum” i pozostałe listy Nowego Testamentu | VII | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 3 | Liturgika – sakramenty | VII | 2 | 1 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna - chrystologia z soteriologią i pneumatologia | VII | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 5 | Chrześcijańska moralność małżeńsko-rodzinna | VII | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 6 | Katechetyka szczegółowa (dydaktyka nauczania religii) | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 7 | Prawo kanoniczne o sakramentach | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 8 | Seminarium naukowe 1 | VII | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 22 | 1 | X | X | 270 | 180 | 90 | 18 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 1 | 1 | X | X | 10 | 0 | 10 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | VII | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | VII | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 7** | | | **28** | **1** | **X** | **X** | **390** | **270** | **120** | **23** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 4, semestr: 8** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia i hermeneutyka biblijna | VIII | 3,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Liturgika - Eucharystia | VIII | 2 | | 1 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Teologia dogmatyczna – charytologia i eklezjologia z mariologią | VIII | 3,5 | | 0 | | E | | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 4 | Bioetyka teologiczna | VIII | 2,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 5 | Moralność życia społecznego | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 6 | Ekumenizm | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 7 | Katolicka nauka społeczna | VIII | 4,5 | | 0 | | E | | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  | | 8 | Prawo kanoniczne o ustroju Kościoła | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 9 | Misjologia | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 10 | Translatorium | VIII | 2 | | 2 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 11 | Seminarium naukowe 2 | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 25 | | 3 | | X | X | 305 | 175 | 130 | 21 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 3 | | 3 | | X | X | 40 | 0 | 40 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | 2 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Praktyka liturgiczno-ewangelizacyjna | VIII | 4 | | 0 | | Zal-o | | F | 0 | 0 | 0 | 4 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 8 | | 0 | | X | X | 60 | 60 | 0 | 8 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 8 | | 0 | | X | X | 60 | 60 | 0 | 8 | 80 |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 8** | | | | **33** | | **3** | | **X** | **X** | **365** | **235** | **130** | **29** | **80** |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na IV roku studiów** | | | | **61** | | **4** | | **X** | **X** | **755** | **505** | **250** | **52** | **80** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 5, semestr: 9** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Liturgika - sakramentalia i pobożność ludowa | IX | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 2 | Prawo kanoniczne osobowe | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Teologia duchowości | IX | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna – sakramentologia i eschatologia | IX | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 5 | Seminarium naukowe 3 | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 14 | 0 | X | X | 170 | 140 | 30 | 12 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Przedmiot do wyboru | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 4 | Praktyka katechetyczno-ewangelizacyjna | IX | 4 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 4 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 10 | 0 | X | X | 90 | 90 | 0 | 10 | 80 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 10 | 0 | X | X | 60 | 60 | 0 | 10 | 80 |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 9** | | | **24** | **0** | **X** | **X** | **260** | **230** | **30** | **22** | **80** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 5, semestr: 10** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia dogmatyczna - teologia sakramentu święceń | X | 2,5 | | 0 | | E | | O | 20 | 10 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Praca dyplomowa i egzamin dyplomowy | X | 20 | | 0 | | E | | F | 0 | 0 | 0 | 25 |  | 475 | | 3 | Seminarium naukowe 4 | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 24,5 | | 0 | | X | X | 35 | 10 | 25 | 28 |  | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 22 | | 0 | | X | X | 15 | 0 | 15 | 26 |  | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Przedmiot do wyboru | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Przedmiot do wyboru | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 6 | | 0 | | X | X | 90 | 90 | 0 | 6 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 6 | | 0 | | X | X | 90 | 90 | 0 | 6 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 10** | | | | **30,5** | | **0** | | **X** | **X** | **125** | **100** | **25** | **34** |  | **475** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na V roku studiów** | | | | **54,5** | | **0** | | **X** | **X** | **385** | **330** | **55** | **56** | **80** | **475** |   **I. Przedmioty humanistyczne/społeczne:**  - Afroamerykańskie dzieła kultury: voodoo, jazz, rastafari;  - Animacja kultury studenckiej;  - Literatura w mediach;  - Myślenie i działanie projektowe;  - Źródła społeczeństwa obywatelskiego.  **II. Przedmioty do wyboru:**  - Alkoholizm i koalkoholizm (geneza, terapia i powrót do zdrowia);  - Aspekty karne przestępstw pedofilii;  - Biblijna i współczesna wizja starości;  - Biblijne podstawy ekologii integralnej;  - Biblijne źródła duchowości małżeńskiej;  - Dekalog i prawa człowieka;  - Dlaczego zło?  - Etyczne aspekty zarządzania zasobami ludzkimi;  - Feminizm, antyfeminizm, patriarchalizm: dzisiejsze spojrzenie i kultura antyczna;  - Godność kobiety i fenomen kobiecości w świetle ksiąg Starego Testamentu;  - Historia doktryn politycznych;  - Historia Warmii i Mazur;  - Indywidualne różnice osobowości. Implikacje empiryczne;  - Inspiracje biblijne w wybranej literaturze światowej XX wieku;  - Judasz i Piotr. Sukces czy porażka pedagogii Jezusa?  - Komunikacja międzykulturowa;  - Krąg Morza Śródziemnego: archeologia, zabytki, turystyka;  - Kremacja w prawie kanonicznym;  - Odziaływanie mass mediów na życie człowieka;  - Prawa i zwyczaje małżeńskie na starożytnym Bliskim Wschodzie;  - Prehistoria biblijna a prehistoria świata;  - Przygotowanie do małżeństwa;  - Przyszłość rodziny wiedzie przez rodzinę (refleksje teologiczne w oparciu o nauczanie Jana Pawła II);  - Religia a sfera publiczna;  - Rodzina jako źródło inspiracji w malarstwie i rzeźbie;  - Struktura socjalna starożytnych społeczeństw mezopotamskich;  - Sztuka kompromisu w rodzinie;  - Wartości w kształtowaniu kultury organizacyjnej firmy;  - Współczesne spojrzenie na metody wychowawcze w rodzinie antycznej  - Wybrane zagadnienia z filozofii religii;  - Zagadnienia wybrane z historii diecezji pomezańskiej;  - Znaczenie sumienia w kontekście życia rodzinnego.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Tabela podsumowująca plan** | |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych  z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | | 300 | 31 | 3492 | 2262 | 1230 | 262 | 240 | 475 | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 16 | 10 | 300 | 90 | 210 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 10 | 10 | 150 | 0 | 150 | 5 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 14 | 8 | 270 | 90 | 180 | 7 | 0 | 0 | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 59 | 2 | 675 | 395 | 280 | 45 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 2 | 2 | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 171,5 | 19 | 1905 | 1165 | 740 | 157 | 0 | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 19 | 19 | 275 | 0 | 275 | 19 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 30 | 2 | 90 | 0 | 90 | 31 | 0 | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 52 | 0 | 600 | 600 | 0 | 52 | 240 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 52 | 0 | 600 | 600 | 0 | 52 | 240 | 0 | | **V. – INNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 1,5 | 0 | 12 | 12 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,**  **w tym zajęcia:** | **Punkty ECTS** | |  |  |  |  |  |  | | **Liczba** | **%** |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem - plan studiów** | | **300** | **100** |  |  |  |  |  |  | | 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | 150,16 | 50,05 |  |  |  |  |  |  | | 2 | z zakresu nauk podstawowych | 59 | 19,67 |  |  |  |  |  |  | | 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | 31 | 10,33 |  |  |  |  |  |  | | 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | 14 | 4,67 |  |  |  |  |  |  | | 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | 96 | 32,00 |  |  |  |  |  |  | | 6 | wymiar praktyk | 12 | 4,00 |  |  |  |  |  |  | | 7 | zajęcia z wychowania fizycznego | - | - |  |  |  |  |  |  | | 8 | zajęcia z języka obcego | 22 | 7,33 |  |  |  |  |  |  | | 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | 15,5 | 5,17 |  |  |  |  |  |  | | 10 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | 227,5 | 75,83 |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | **%** |  |  |  |  |  |  |  | | 1 | Nauki teologiczne | 90 |  |  |  |  |  |  |  | | 2 | Pedagogika | 7 |  |  |  |  |  |  |  | | 3 | Psychologia | 3 |  |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem:** | | **100** |  |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |